MAHANT MAHADEVANAND MAHILA MAHAVIDYALAY, ARA, BHOJPUR.

ACTIVITY REPORT

Name of Department	:	Political science
Name of activity	:	वीरता से संबंधित स्लोगन तथा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन।
Level of activity	:	Department
Date of activity	:	10/08/2021
Head of the Department	:	Dr Khushbu Kumari
Name of resources person/s	:	Dr.Abha Singh
Number of teacher participated	:	12
Number of students participated	:	33

Fruitful outcome of the activity:

1. महान सेनानियों के विषय में तथा उनके वीरता संबंधी कार्यों से छात्राओं को अवगत कराया गया. छात्राओं को जानकारी मिली की स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के फलस्वरूप ही आज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले पा रहे हैं ।

मीडिया /फोटोस पेपर कटिंग

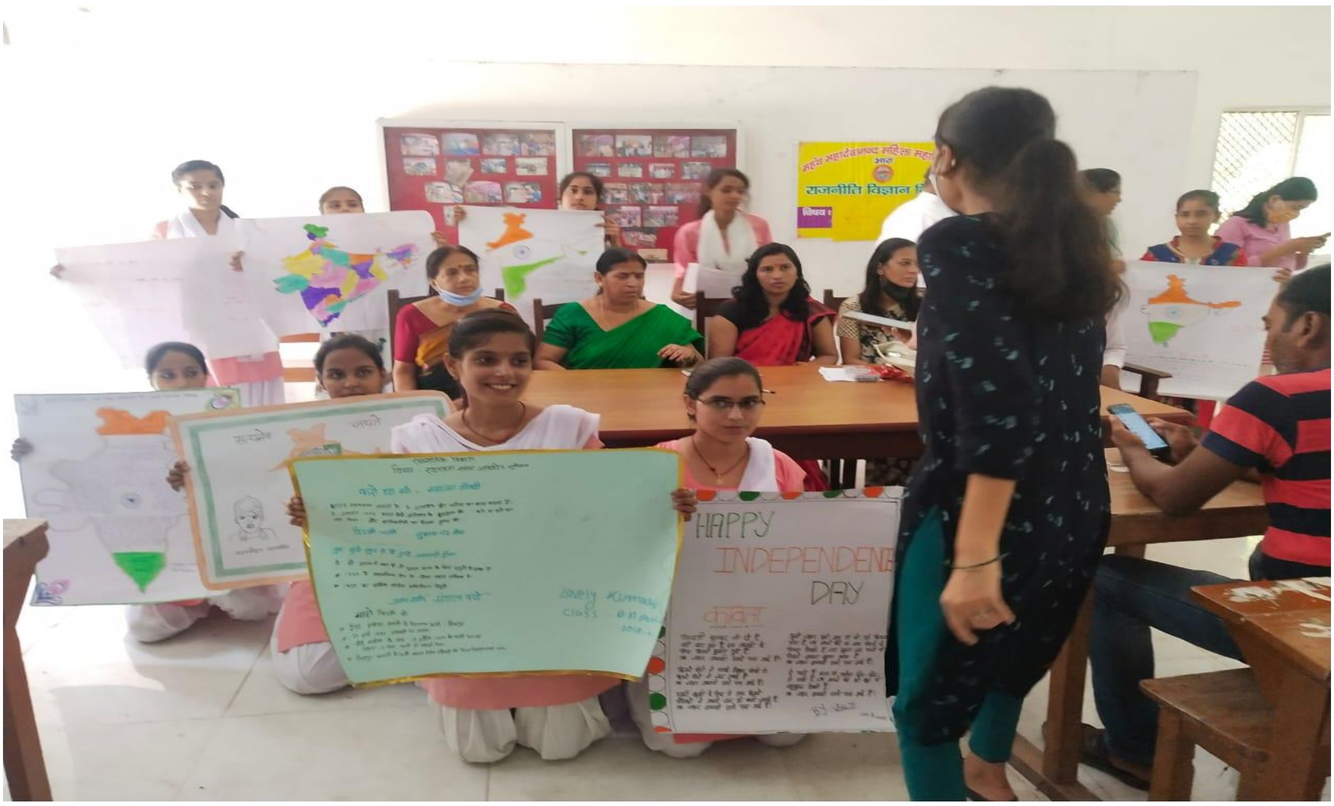

HAPPY
DAY

महंथ महादेवानन्द महिला महाविद्यालय
आरा
राजनीति विज्ञान विभाग
विषय :
स्लोगन
प्रतियोगिता
भारत

महंथ महादेवानन्द महिला महाविद्यालय
आरा
राजनीति विज्ञान विभाग
विषय :

MAHANT MAHADEVANAND MAHILA MAHAVIDYALAY,
ARA, BHOJPUR.

ACTIVITY REPORT

Name of Department	:	Political science
Name of activity	:	**seminar** विषय– (महिला सशक्तिकरण)
Level of activity	:	Department
Date of activity	:	08/03/2022
Head of the Department	:	Dr Khushbu Kumari
Name of resources person/s	:	Dr.Abha Singh
Number of teacher participated :		13
Number of students participated:		37

Fruitful outcome of the activity:

1. महिलाओं मे अपार क्षमताएं होती है इसका एहसास कराना।

मीडिया /फोटोस पेपर कटिंग

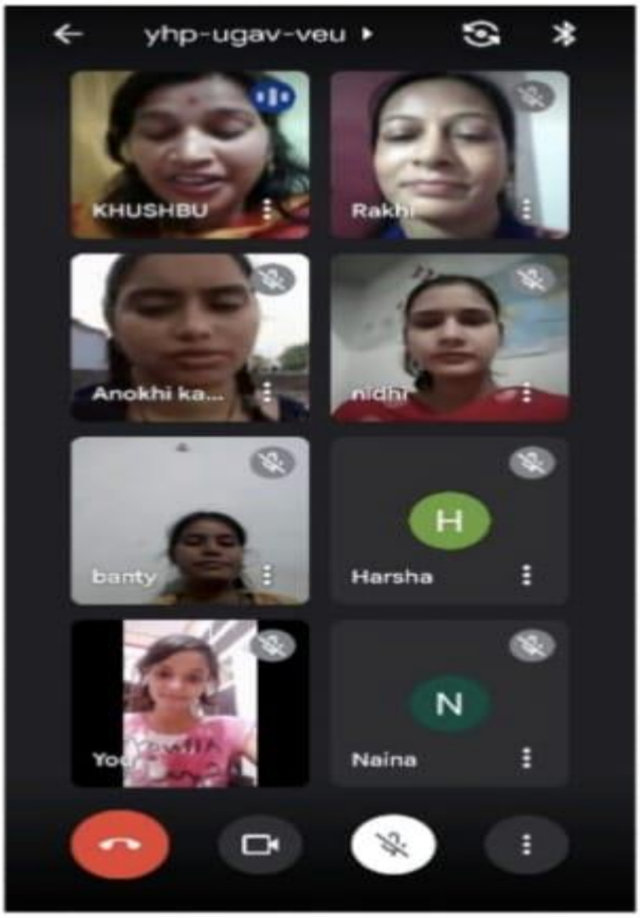

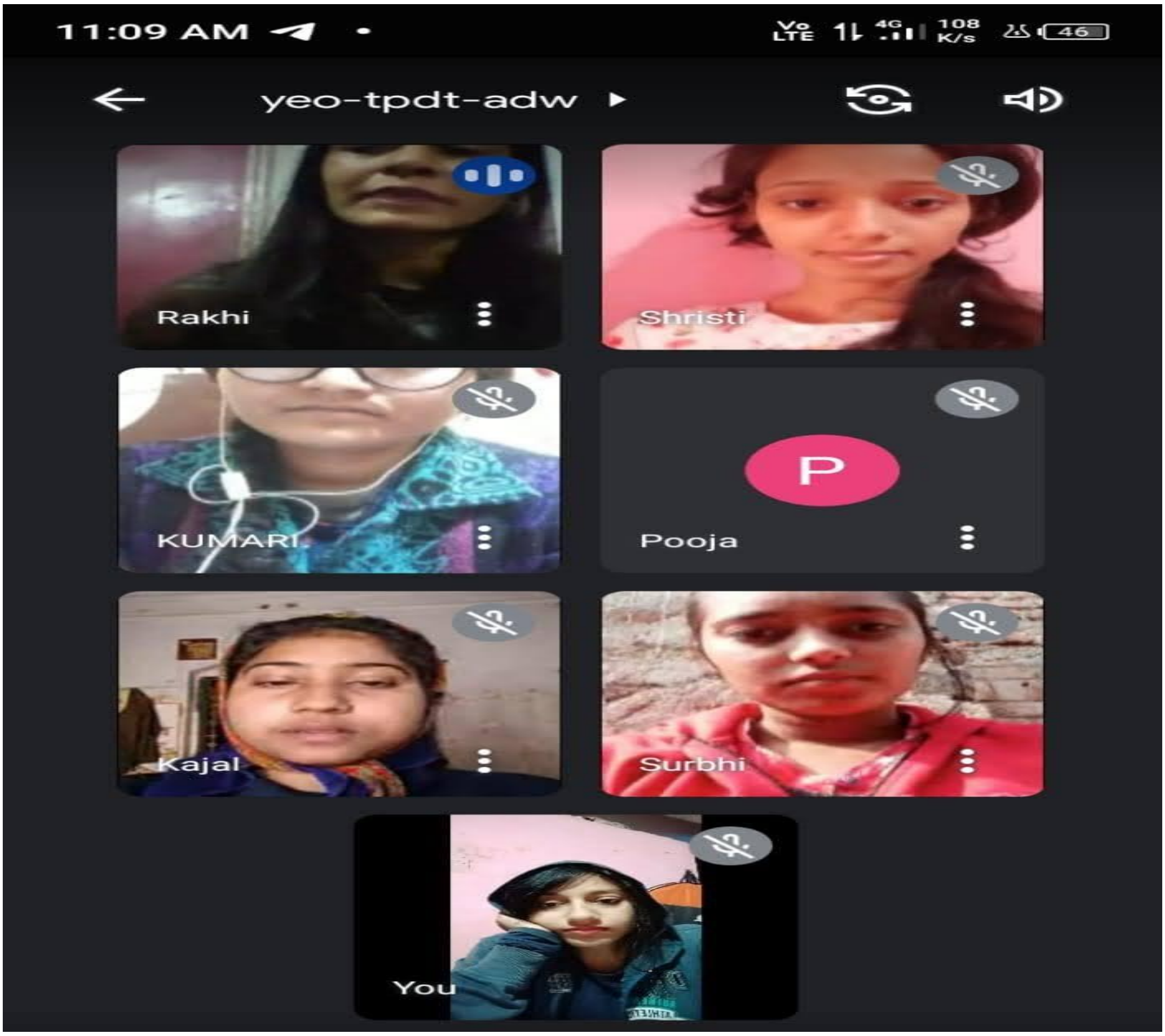
11:09 AM
yeo-tpdt-adw
Rakhi
Shristi
KUMARI
P
Pooja
Kajal
Surbhi
You

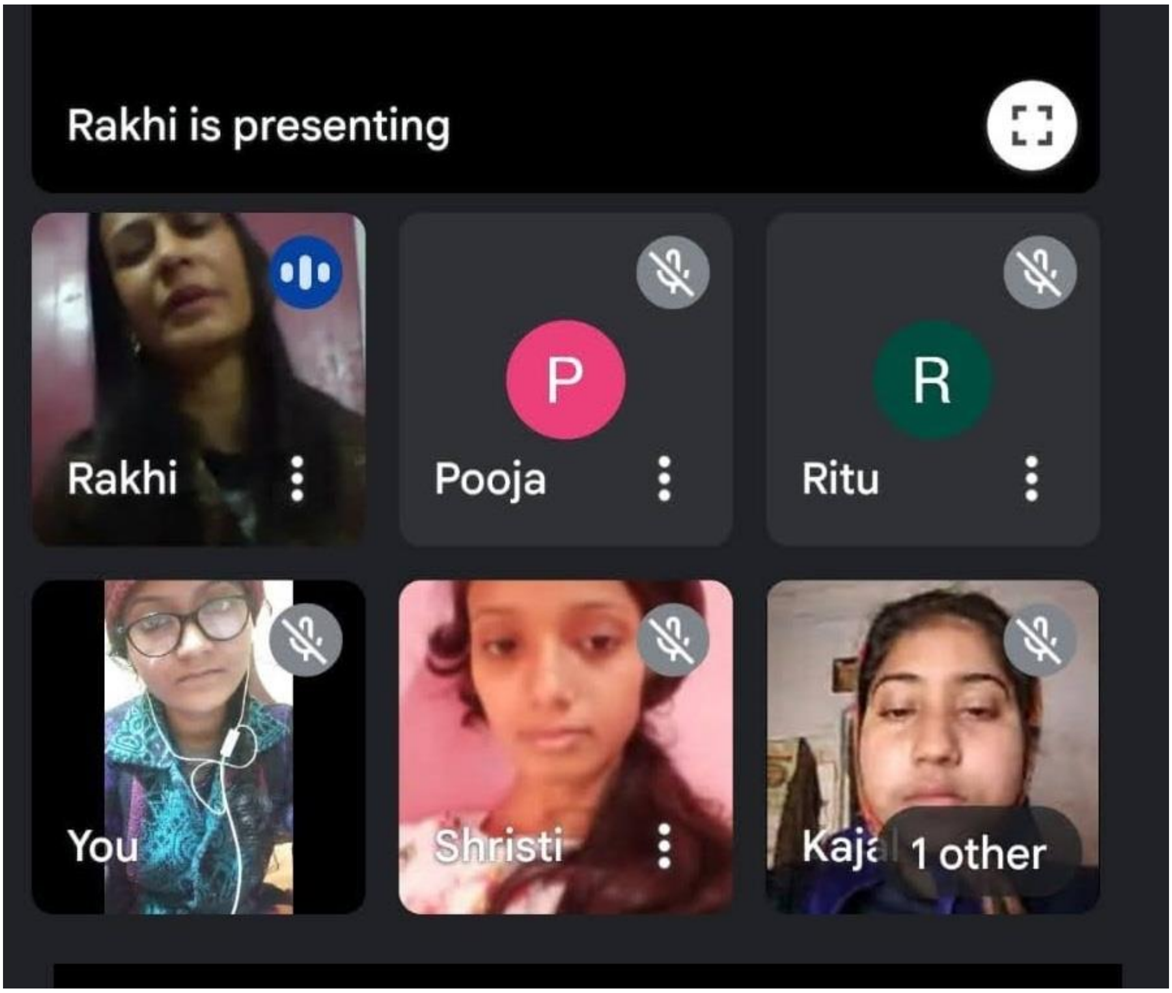
Rakhi is presenting
Rakhi
P
Pooja
R
Ritu
You
Shristi
Kajal
1 other

Mahanth Mahadevanand Mahila Mahavidyalaya, Ara, Bhojpur.

Activity Report

Name of the Department	:	**Political science**
Name of activity	:	(संगोष्ठी) विषय – ''दलित समाज के उत्थान में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का योगदान''
Level of activity	:	Institutional
Date of activity	:	14/4/2022
Name of resources Person	:	Adm - Kumar Manglam, DWO - Ravi Prakash,Bwo - Manoj Kumar Jha, Bwo - Satachi .
Number of teacher participated	:	6
Number of students	:	25
Fruit full outcome of the activity	:	छात्रों के द्वारा निम्न समाज के उत्थान में सहयोग किया जाएगा।

Photos: -

शिक्षित बनों !
संगठित बनों !!
संघर्ष करों !!!
डा० भीमराव अम्बेडकर जयंती समारोह
महिला कल्याण
भोजपुर

संघर्ष करो !!!
संगठित बनो !!
शिक्षित बनो !
डा० भीमराव अम्बेडकर जयंती समारोह
अप्रैल 2022
महिला कल्याण
भोजपुर

जातिवाद के विरुद्ध आवाज उठाते रहे डॉ. अंबेडकर

आरा। राजकीय अंबेडकर महिला कल्याण छात्रावास एम एम महिला कॉलेज आरा में डॉ भीमराव अंबेडकर के जन्म दिवस समारोह का आयोजन प्रधानाचार्या डॉ आभा सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। अतिथि के रूप में भोजपुर के एडीएम कुमार मंगलम, डीडब्ल्यू ओ रवि प्रकाश, सीनियर बीडब्ल्यू मनोज कुमार झा, शताक्षी हॉस्टल सुपरीटेंडेंट डॉ खुशबू कुमारी और छात्राएं उपस्थित रही ।दलित समाज के उत्थान में डॉ भीमराव अंबेडकर का योगदान विषयक भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार ज्योति प्रकाश को, द्वितीय पुरस्कार पूनम भारती को और तृतीय पुरस्कार सुगंधि कुमारी को दिया गया।इस दौरान डॉ खुशबू ने संविधान के निर्माण में उनकी उल्लेखनीय भूमिका को भी बताया ।एडीएम कुमार मंगलम ने बाबा साहब पर माल्यार्पण किया। उन्होंने बताया कि 14 अप्रैल 1891 को जन्मे बाबा साहब ने अपना पूरा जीवन सामाजिक बुराइयों जैसे छुआछूत और जातिवाद के खिलाफ संघर्ष में लगा दिया।

MAHANT MAHADEVANAND MAHILA MAHAVIDYALAY,
ARA, BHOJPUR.

ACTIVITY REPORT

Name of Department	:	Political science
Name of activity	:	**Seminaar वर्चुअल माध्यम से विषय – ''महिलाओं के उत्थान में बाबा भीमराव अंबेडकर का योगदान ''**
Level of activity	:	Departmental
Date of activity	:	23/4/2022
Head of the Department	:	Dr Khushbu Kumari
Name of resources person/s	:	Dr.Abha Singh
Number of teacher participated	:	11
Number of students participated	:	35

Fruitful outcome of the activity:

1. डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के द्वारा जिस प्रकार समाज के विभिन्न तबकों के उत्थान में उनका योगदान रहा है। छात्राएं प्रेरित होकर उनके विचारों से प्रभावित होकर बाबा भीमराव अंबेडकर के बताए गए मार्गों का अनुसरण करेगी।

मीडिया /फोटोस पेपर कटिंग

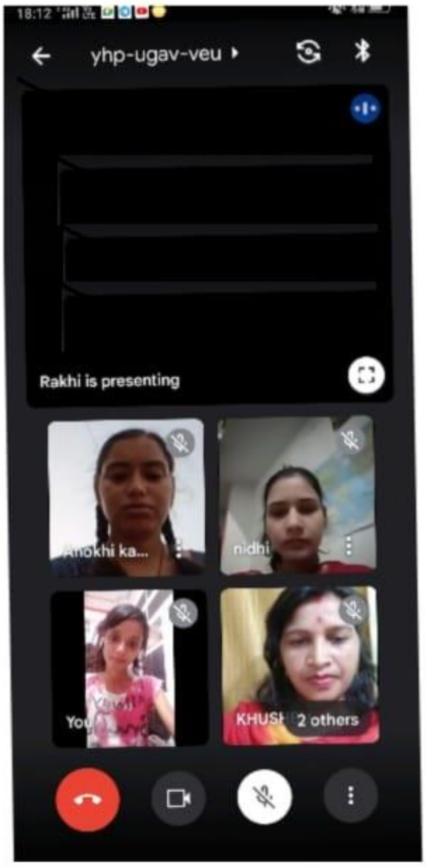
yhp-ugav-veu
Rakhi is presenting
Anokhi ka...
nidhi
You
KHUSH 2 others

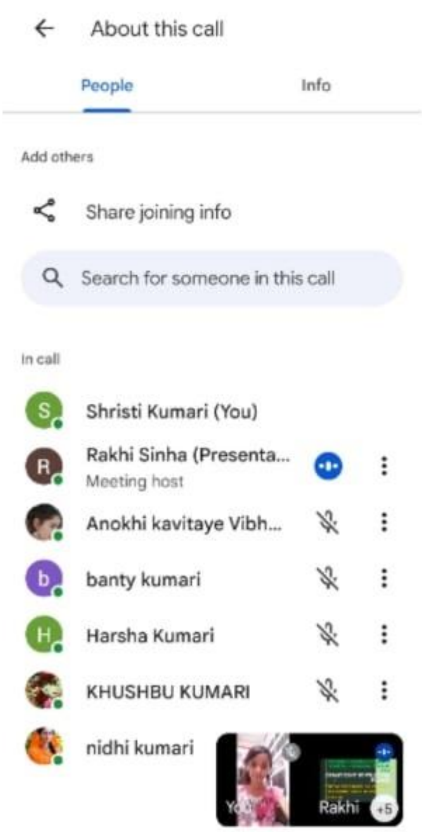
About this call
People
Info
Add others
Share joining info
Search for someone in this call
In call
Shristi Kumari (You)
Rakhi Sinha (Presenta...
Meeting host
Anokhi kavitaye Vibh...
banty kumari
Harsha Kumari
KHUSHBU KUMARI
nidhi kumari
You
Rakhi
+5

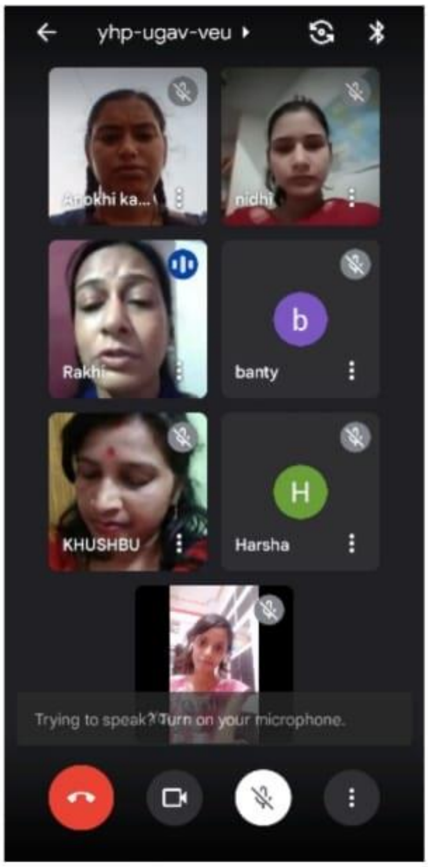
yhp-ugav-veu
Anokhi ka...
nidhi
Rakhi
banty
KHUSHBU
Harsha
Trying to speak? Turn on your microphone.

yhp-ugav-veu
KHUSHBU
Rakhi
Anokhi ka...
nidhi
banty
Harsha
You
Naina

yhp-ugav-veu
KHUSHBU
Rakhi
Anokhi ka...
nidhi
banty
Harsha
You
Naina

yhp-ugav-veu
KHUSHBU
Rakhi
Anokhi ka...
nidhi
banty
Harsha
You
Naina

18:22
41%
yhp-ugav-veu
Anokhi k...
nidhi
Rakhi
Shristi
H
Harsha
banty
You

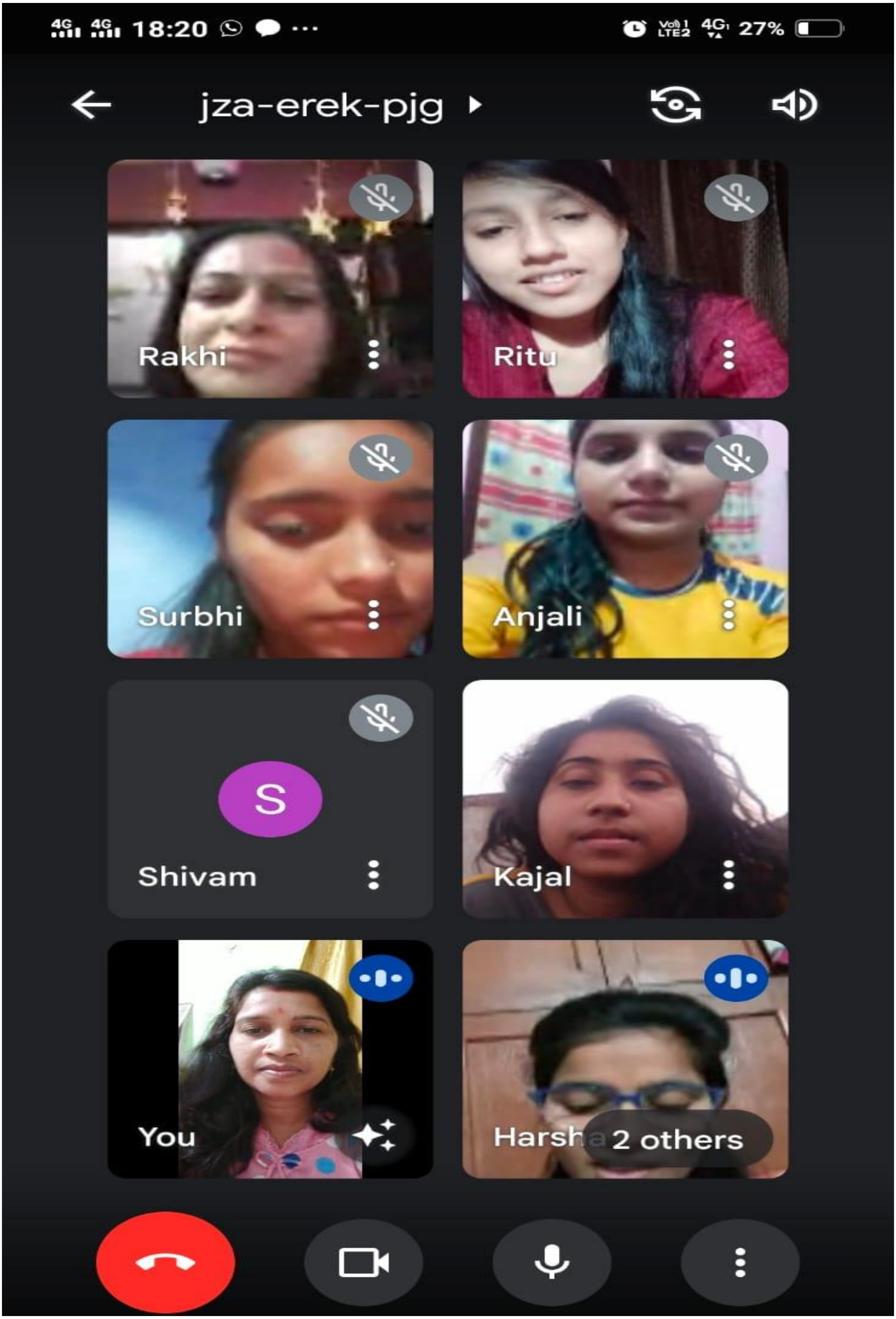
18:20
27%
jza-erek-pjg
Rakhi
Ritu
Surbhi
Anjali
S
Shivam
Kajal
You
Harsha
2 others

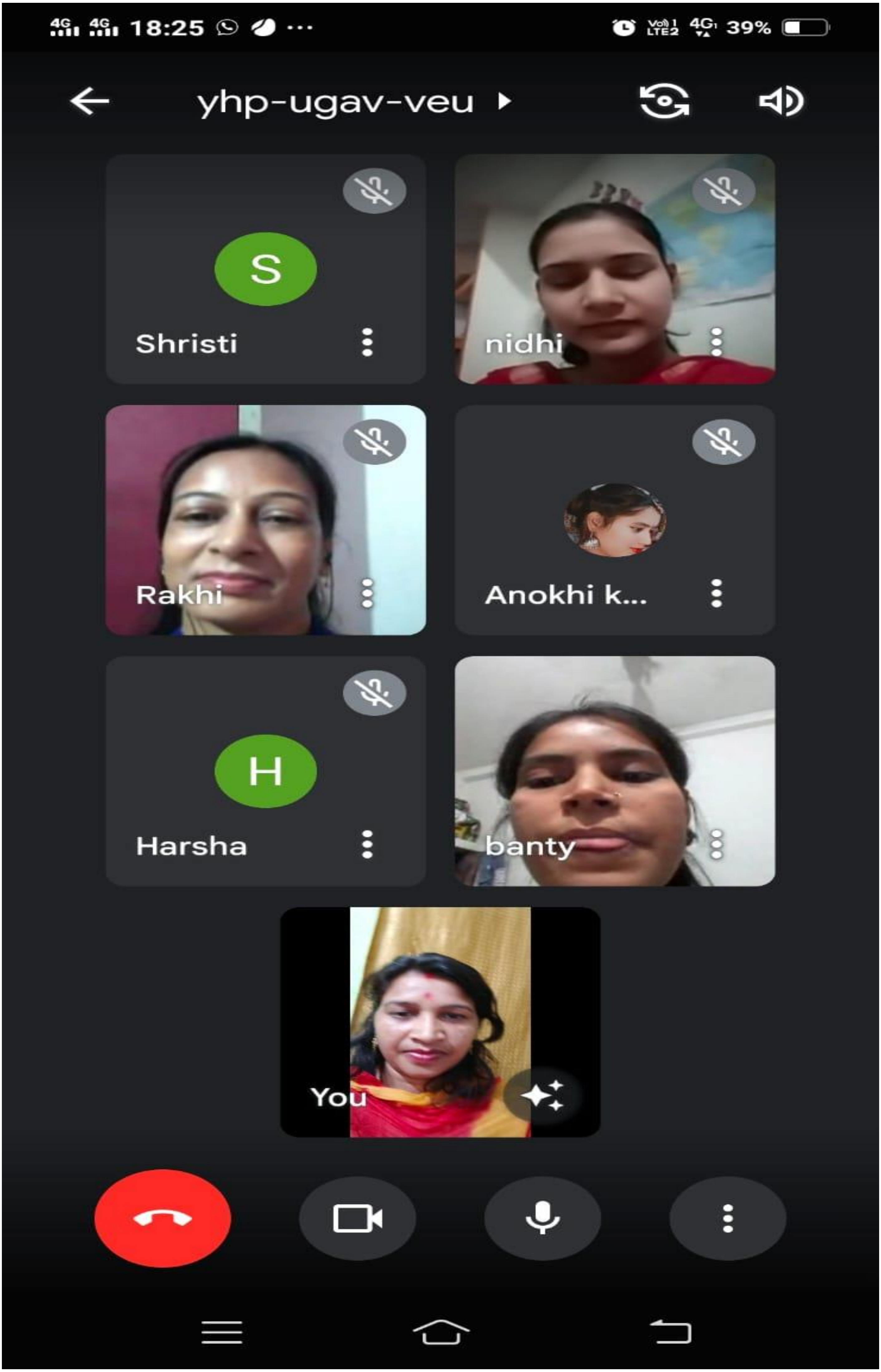
18:25
39%
yhp-ugav-veu
S
Shristi
nidhi
Rakhi
Anokhi k...
H
Harsha
banty
You

MAHANT MAHADEVANAND MAHILA MAHAVIDYALAY,
ARA, BHOJPUR.

ACTIVITY REPORT

Name of Department	:	Political science
Name of activity	:	**(संगोष्ठी) विषय – पंचायती राज के विकास में विभिन्न सरकारों का योगदान।**
Level of activity	:	Department
Date of activity	:	26/4/2022
Head of the Department	:	Dr Khushbu Kumari
Name of resources person/s	:	Dr.Abha Singh
Number of teacher participate	:	15
Number of students participated:		43

Fruitful outcome of the activity:

1. पंचायती राज व्यवस्था के संबंध में छात्रो को लाभ उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई। दूसरा इससे पंचायती राज व्यवस्था विकास कब हुआ? क्यों हुआ? तथा किस परिस्थितियों में पंचायती राज व्यवस्था लाया गया, जानकारी प्राप्त हुई ।विभिन्न प्रकार के सरकारों के द्वारा पंचायती राजव्यवस्था के विकास हेतु समय – समय पर किए गए योगदान के विषय में जानने का अवसर प्राप्त हुआ।संगोष्ठी के द्वारा पंचायतों से जुड़े विभिन्न संस्थाओं, आर्थिक – सामाजिक स्थितियां एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गुजर बसर करने वाले लोगों की संपूर्ण स्थिति के विषय में छात्रों को अच्छी जानकारी प्राप्त हुई।

मीडिया ／फोटोस पेपर कटिंग

पंचायती राज व्यवस्था से गांवों का सर्वांगीण विकास : डॉ. आभा

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

आरा। एम एम महिला कॉलेज आरा में राजनीति विज्ञान विभाग के द्वारा पंचायती राज स्थापना दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका विषय था पंचायती राज के विकास में विभिन्न सरकारों का योगदान।

जिसकी अध्यक्षता महिला कॉलेज की प्राचार्या डॉ आभा सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था के कारण ही आज भारत के विभिन्न गांवों में सर्वांगीण विकास हो रहा है। भारत जिसकी 67 परसेंट जनता गांव में निवास करती है अगर उनका विकास हो जाए तो भारत में विकास दर तेजी से बढ़ जाएगी और ग्रामीण विकास तभी हो सकता है जब विभिन्न समय काल में रहने वाली सरकारे ग्रामीण विकास के मुद्दे पर तत्परता से काम करें।

विभागाध्यक्ष डॉ खुशबू के द्वारा ग्रामीण समाज में विभिन्न प्रकार की समस्याओं का वर्णन करते हुए पंचायती राज व्यवस्था के विकास एवं आवश्यकता पर गहन विवेचन किया गया। डॉ राखी सिन्हा के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक उन्नति हेतु जो प्रयास सरकार के द्वारा विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से किए जा रहे हैं, उनका उल्लेख किया गया।

वही सामुदायिक विकास कार्यक्रम, कमांड एरिया विकास कार्यक्रम, सूखा प्रवण क्षेत्र कार्यक्रम, पहाड़ी क्षेत्र विकास कार्यक्रम, जवाहर रोजगार योजना, ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारंटी कार्यक्रम, स्वरोजगार के लिए ग्रामीण युवाओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम, ग्रामीण क्षेत्रों में महिला और बाल विकास कार्यक्रम, मजदूरी रोजगार कार्यक्रम, नाबार्ड, ग्रामीण लोगों का सामाजिक आर्थिक राजनीतिक भागीदारी पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर शिक्षक डॉ अनुपमा, डॉ मनोज कुमार, डॉ स्मिता, डॉ सिंधु और अमरेश उपस्थित थे।

वहीं छात्राओं में पूजा कुमारी, आराध्या, प्रिया कुमारी, सृष्टि, बंटी, सौम्या, हर्षा, अंजलि, रितु जायसवाल समेत अन्य ने अपनी बातों को रखा।

महंथ महादेवानंद महिला महाविद्यालय, आरा

महंथ महादेवानंद महिला महाविद्यालय, आरा

महिला

दैनिक भास्कर

आरा 27-04-2022

पाठ्यक्रम में बदलाव • एमसीए में नामांकन के लिए जल्द लिया जाएगा आवेदन, जारी किया जाएगा प्रोग्राम

नए सत्र से दो वर्ष की होगी एमसीए की पढ़ाई पिछले सत्र तक 3 साल पढ़ाई करते थे छात्र

एजुकेशन रिपोर्टर। आरा

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में अब एमसीए की पढ़ाई दो वर्षीय होगा। पहले विभाग में एमसीए की पढ़ाई तीन वर्षीय यानि की छह सेमेस्टर में होता था। एमसीए विभाग ने दो वर्षीय पाठ्यक्रम को लेकर रूपरेखा भी तैयार कर लिया है। पाठ्यक्रम की अनुमति के लिए कुलपति डॉ प्रो केसी सिन्हा के पास संचिका भी बढ़ा दी गई है। विभाग के डायरेक्टर विनय कुमार मिश्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने एमसीए पाठ्यक्रम को दो वर्षीय करने का आदेश जारी किया है। पहले यह पाठ्यक्रम तीन वर्षीय था। मार्च, 2022 में भारत का राजपत्र में भी इसका उल्लेख किया गया है। जिसके आधार पर पाठ्यक्रम को दो वर्षीय संचालित करने के लिए कुलपति से अनुमोदन मांगा गया है।

छात्रों को नौकरी में हो सकती है दिक्कतें

यूजीसी ने देश के सभी विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षण संस्थानों से कहा है कि वह अपने यहां डिग्री और अन्य कोर्स को नए सिरे से समीक्षा करें। यह सुनिश्चित करें कि उनकी डिग्रियां और उनके नाम यूजीसी की अधिसूचना के मुताबिक ही है। यदि ऐसा नहीं है तो तुरंत वह ठीक कर ले। अन्यथा ऐसी डिग्री और कोर्स अमान्य माने जाएंगे। आयोग ने यह कदम इसलिए उठाया है कि एक ही डिग्री या कोर्स को देश के कई शिक्षण संस्थानों में अलग-अलग नामों से संचालित किया जा रहा है। इसके साथ ही कोर्स की अवधि भी यूजीसी की ओर से निर्धारित अवधि से अलग रखा गया है। इससे भविष्य में वैसे छात्र छात्राओं को नौकरी पाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है जो शैक्षणिक संस्थान यूजीसी की गाइडलाइन का अनुपालन नहीं करेंगे।

वीकेएसयू का फाइल फोटो

चार सेमेस्टर की पढ़ाई छात्र छात्राओं को कराई जाएगी

उन्होंने बताया कि नए सत्र, 2022-24 के लिए जो आवेदन अभ्यर्थियों से लिया जाएगा वह एमसीए के दो वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए होगा। नए सत्र, 2022-24 से चार सेमेस्टर की पढ़ाई छात्र छात्राओं को कराई जाएगी। जल्द ही आवेदन लेने, आवेदन जमा करने, प्रवेश परीक्षा और रिजल्ट जारी करने के लिए प्रोग्राम जारी कर दिया जाएगा। गौरतलब हो कि यूजीसी के मापदंड का अनुपालन कई शैक्षणिक संस्थान नहीं कर रहे हैं। हाल के दिनों में यूजीसी ने एक सर्कुलर जारी करते हुए सभी शैक्षणिक संस्थानों को यह हिदायत दिया था कि यूजीसी के गाइडलाइन का अनुपालन नहीं करने वाले शैक्षणिक संस्थानों पर कार्रवाई की जा सकती है। मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन और फैशन टेक्नोलॉजी से जुड़े पाठ्यक्रम 3 वर्ष की बजाय अब 2 वर्ष में संचालित किए जाएंगे।

महिला कॉलेज में पंचायती राज के विकास में विभिन्न सरकारों के योगदान विषय पर वक्ताओं ने रखे विचार

आरा | एमएम महिला कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग ने पंचायती राज स्थापना दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी का किया। जिसका विषय था " पंचायती राज के विकास में विभिन्न सरकारों का योगदान"। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ आभा सिंह ने की। कहा कि पंचायती राज व्यवस्था के कारण ही आज भारत के विभिन्न ग्रामों में सर्वांगीण विकास हो रहा है। भारत जिसकी 67 % जनता गांव में निवास करती है, अगर उनका विकास हो जाए तो भारत में विकास दर तेजी से बढ़ जाएगी। ग्रामीण विकास तभी हो सकता है जब विभिन्न समय काल में रहने वाली सरकारे ग्रामीण विकास के मुद्दे पर तत्परता से काम करें। विभागाध्यक्ष डॉ खुशबू ने ग्रामीण समाज में विभिन्न प्रकार की समस्याओं का वर्णन करते हुए पंचायती राज व्यवस्था के विकास एवं आवश्यकता पर गहन विवेचन किया। विभिन्न सरकारों के द्वारा समय-समय पर ग्राम क्षेत्र के विकास के लिए जो योजनाएं लागू की गई उसके विषय में चर्चा की। डॉ राखी सिन्हा ने ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक उन्नति के लिए जो प्रयास सरकार के द्वारा विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से किए जा रहे हैं, उनका उल्लेख किया। सामुदायिक विकास कार्यक्रम, कमांड एरिया विकास कार्यक्रम, सूखा प्रवण क्षेत्र कार्यक्रम, पहाड़ी क्षेत्र विकास कार्यक्रम, जवाहर रोजगार योजना, ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारंटी कार्यक्रम ,स्वरोजगार के लिए ग्रामीण युवाओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम, ग्रामीण क्षेत्रों में महिला और बाल विकास कार्यक्रम ,मजदूरी रोजगार कार्यक्रम नाबार्ड और ग्रामीण लोगों का सामाजिक आर्थिक राजनीतिक भागीदारी पर भी चर्चा की। संगोष्ठी में जवाहरलाल नेहरू से लेकर वर्तमान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल में चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं के विषय में भी चर्चा हुई। संगोष्ठी में शिक्षक डॉ अनुपमा, डॉ मनोज कुमार, डॉ स्मिता, डॉ सिंधु और अमरेश, छात्राओं में पूजा कुमारी,आराध्या,प्रिया कुमारी,सृष्टि ,बेंटी,सौम्या,प्रीतिमा, हर्षा, अंजलि और रितु जायसवाल ने संगोष्ठी में अपनी बातों को रखा।

गांवों के विकास से ही बढ़ेगा भारत : डॉ आभा

संवाददाता, आरा

एमएम महिला कॉलेज में राजनीति विज्ञान विभाग के द्वारा पंचायती राज स्थापना दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका विषय था 'पंचायती राज के विकास में विभिन्न सरकारों का योगदान'. संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रधानाचार्य डॉ आभा सिंह ने की. पंचायती राज व्यवस्था के कारण ही आज भारत के विभिन्न ग्रामों में सर्वांगीण विकास हो रहा है.

भारत जिसकी 67 प्रतिशत जनता गांव में निवास करती है, अगर उनका विकास हो जाये, तो भारत में विकास दर तेजी से बढ़ जायेगी और ग्रामीण विकास तभी हो सकता है जब विभिन्न समय काल में रहनेवाली सरकारें ग्रामीण विकास के मुद्दे पर तत्परता से काम करें. विभागाध्यक्ष डॉ खुशबू के द्वारा ग्रामीण समाज में विभिन्न प्रकार की समस्याओं का वर्णन करते हुए पंचायती राज व्यवस्था के विकास एवं आवश्यकता पर गहन विवेचन किया गया. विभिन्न सरकारों के द्वारा समय-समय पर ग्राम क्षेत्र के विकास हेतु जो योजनाएं लागू की गयी. उसके विषय में चर्चा की गयी. डॉ राखी सिन्हा के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक उन्नति हेतु जो प्रयास सरकार के द्वारा विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से किये जा रहे हैं, उनका उल्लेख किया गया. सामुदायिक विकास कार्यक्रम, कमांड एरिया विकास कार्यक्रम, सूखा प्रवण क्षेत्र कार्यक्रम, पहाड़ी क्षेत्र विकास कार्यक्रम, जवाहर रोजगार योजना, ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारंटी कार्यक्रम, स्वरोजगार के लिए ग्रामीण युवाओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम, ग्रामीण क्षेत्रों में महिला और बाल विकास कार्यक्रम, मजदूरी रोजगार कार्यक्रम नाबाड, ग्रामीण लोगों का सामाजिक आर्थिक राजनीतिक भागीदारी पर भी चर्चा की गयी. संगोष्ठी में जवाहरलाल नेहरू से लेकर वर्तमान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल में चलाये जा रहे विभिन्न योजनाओं के विषय में भी चर्चा की गयी. शिक्षक डॉक्टर अनुपमा, डॉक्टर मनोज कुमार, डॉ स्मिता, डॉक्टर सिंधु और अमरेश सर उपस्थित थे. वहीं, छात्राओं में पूजा कुमारी, आराध्या, प्रिया कुमारी, सृष्टि, बंटी, सौम्या, प्रतिमा, हर्षा, अंजलि, रितु जायसवाल ने संगोष्ठी में पंचायती राज व्यवस्था के संबंध में अपनी बातों को रखा.

संगोष्ठी में शामिल शिक्षक व छात्राएं.